

संचार मंत्रालय

संचार साथी ऐप: नागरिकों की उंगलियों पर दूरसंचार सशक्तिकरण

पारदर्शी और सुरक्षित मोबाइल सेवाओं को बढ़ाने के लिए जनवरी 2025 में लॉन्च किया गया

मुख्य आकर्षण:

17 जनवरी 2025 को लॉन्च होने के बाद से, संचार साथी मोबाइल ऐप ने अगस्त 2025 तक 50 लाख डाउनलोड को पार कर लिया है।

संचार साथी लाइव डैशबोर्ड से 37 लाख 28 हजार से अधिक चोरी/खोए हुए मोबाइल उपकरणों को सफलतापूर्वक ब्लॉक किया गया है और 22 लाख 76 हजार से अधिक उपकरणों का पता लगाया गया है।

संचार साथी मोबाइल ऐप: भारत में बढ़ते साइबर अपराधों के लिए एक समय पर प्रतिक्रिया

एक अरब से ज्यादा ग्राहकों के साथ, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र बनकर उभरा है। मोबाइल फोन अब बैंकिंग, मनोरंजन, ई-लर्निंग, स्वास्थ्य सेवा और सरकारी सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिससे मोबाइल सुरक्षा पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

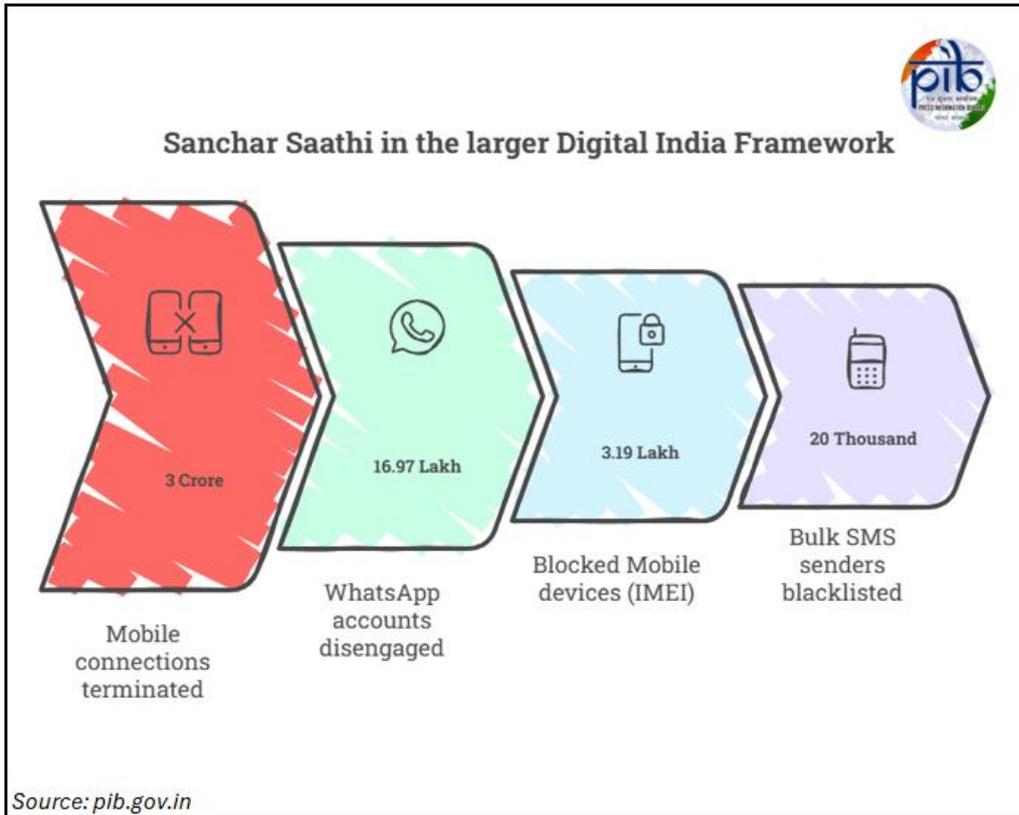
बढ़ते साइबर खतरों ने मोबाइल उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को एक गंभीर राष्ट्रीय चिंता बना दिया है। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In) के अनुसार, साइबर अपराध की घटनाएँ 2023 में 15,92,917 से बढ़कर 2024 में 20,41,360 हो जाएँगी। अकेले राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज डिजिटल गिरफ्तारी घोटाले और संबंधित साइबर अपराधों की संख्या 2024 में 1,23,672 थी, जिनमें से 17,718 मामले फरवरी 2025 तक रिपोर्ट किए जा चुके थे।

इन बढ़ते खतरों के कारण, दूरसंचार विभाग (DoT) ने संचार साथी मोबाइल ऐप पेश किया है—एक नागरिक-केंद्रित टूल जो मजबूत सुरक्षा सुविधाएँ और धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग क्षमताएँ सीधे उपयोगकर्ताओं के स्मार्टफोन पर लाता है। यह ऐप पहचान की चोरी, जाली केवाईसी, डिवाइस चोरी, बैंकिंग धोखाधड़ी और अन्य साइबर जोखिमों से सुविधाजनक और चलते-फिरते सुरक्षा प्रदान करके मौजूदा संचार साथी पोर्टल का पूरक है।



इस सक्रिय पहल ने पहले ही उल्लेखनीय प्रभाव डाला है: 3 करोड़ से अधिक धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शन समाप्त कर दिए गए हैं, 3 लाख 19 हजार डिवाइस ब्लॉक कर दिए गए हैं, 16 लाख 97 हजार व्हाट्सएप अकाउंट निष्क्रिय कर दिए गए हैं, और

20,000 से अधिक बल्क एसएमएस भेजने वालों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, जिससे दूरसंचार संबंधी धोखाधड़ी पर काफी हद तक अंकुश लगा है और देश भर में उपयोगकर्ता सुरक्षा में वृद्धि हुई है।



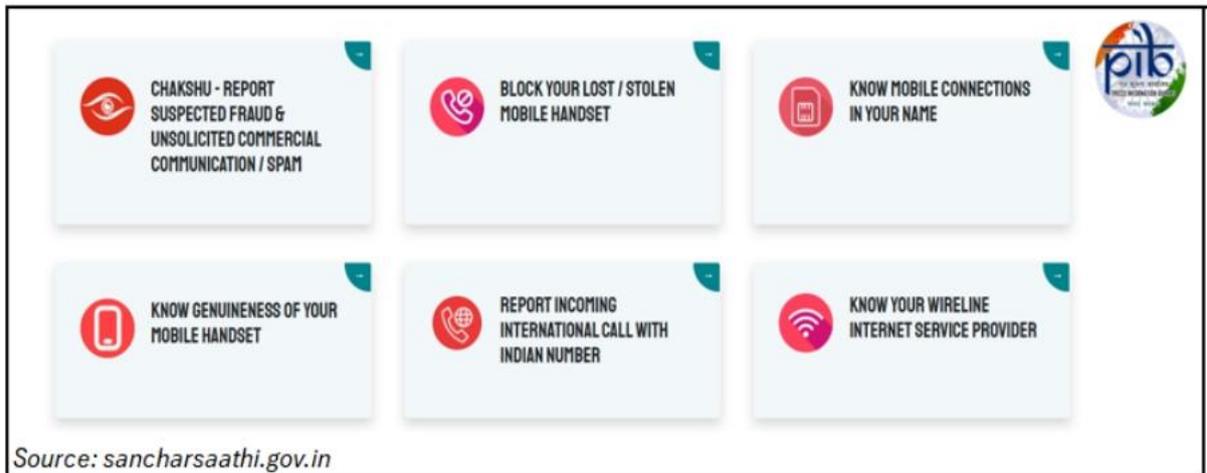
नागरिकों को उपयोग में आसान उपकरण और महत्वपूर्ण सुरक्षा सुविधाओं तक वास्तविक समय पर पहुंच प्रदान करके, संचार साथी मोबाइल ऐप भारत की बढ़ती साइबर अपराध चुनौतियों के लिए समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया का प्रतिनिधित्व करता है।

यह ऐप हिंदी और 21 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे यह पूरे देश में समावेशी और सुलभ हो गया है। एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध, इस ऐप को लॉन्च के बाद से अब तक 50 लाख से ज्यादा डाउनलोड मिल चुके हैं।



संचार साथी द्वारा प्रदान की जाने वाली नागरिक-केंद्रित सेवाएँ

संचार साथी मोबाइल ऐप पोर्टल की सभी नागरिक-केंद्रित सेवाओं को सीधे उपयोगकर्ताओं के स्मार्टफोन पर लाता है, जिसमें सुरक्षा, सत्यापन और धोखाधड़ी-रिपोर्टिंग सुविधाएं शामिल हैं।



संचार साथी की निम्नलिखित विशेषताएं हैं -

- चक्षु - उपयोगकर्ताओं को कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप के माध्यम से संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाता है- विशेष रूप से केवाईसी-अपडेटिंग घोटाले। यह सक्रिय रिपोर्टिंग टूल दूरसंचार विभाग को जाली केवाईसी और पहचान-चोरी के मामलों पर निगरानी रखने और त्वरित कार्रवाई करने में मदद करता है, तथा नागरिकों को अवांछित वाणिज्यिक संचार (यूसीसी) की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करता है।



- IMEI ट्रैकिंग और ब्लॉकिंग - भारत में कहीं भी खोए या चोरी हुए फ़ोन को ट्रैक और ब्लॉक करने की सुविधा देता है। यह चोरी या खोए हुए डिवाइस का पता लगाने में पुलिस अधिकारियों की सहायता करता है, नकली फ़ोनों को काला बाज़ार में आने से रोकता है, और डिवाइस क्लोनिंग के प्रयासों को रोकता है।
- इस ऐप की एक और महत्वपूर्ण खासियत है - मोबाइल कनेक्शनों की संख्या सत्यापित करने का विकल्प। अगर कोई संदिग्ध यदि ऐसे कनेक्शन पाए जाते हैं - जो संभवतः जाली केवाईसी विवरणों का उपयोग करके बनाए गए हैं - तो उपयोगकर्ता तुरंत रिपोर्ट कर सकते हैं और उन्हें ब्लॉक कर सकते हैं।
- अपने मोबाइल हैंडसेट की वास्तविकता जानें - यह सत्यापित करने का एक आसान तरीका प्रदान करता है कि खरीदा गया मोबाइल डिवाइस वास्तविक है या नहीं।
- भारतीय नंबरों से अंतर्राष्ट्रीय कॉल की रिपोर्टिंग - नागरिकों को +91 (देश कोड के बाद 10 अंक) से शुरू होने वाले नंबरों से घरेलू कॉल के रूप में प्रच्छन्न अंतर्राष्ट्रीय कॉल की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है। ऐसी कॉल विदेशों में अवैध दूरसंचार प्रतिष्ठानों से आती हैं।

- **अपने इंटरनेट सेवा प्रदाता को जानें** - उपयोगकर्ताओं को पिन कोड, पता या आईएसपी नाम दर्ज करके पूरे भारत में वायरलाइन इंटरनेट सेवा प्रदाताओं के विवरण की जांच करने की सुविधा देता है।

यह पहल नागरिकों को अपनी डिजिटल पहचान सुरक्षित रखने और दूरसंचार धोखाधड़ी से निपटने के लिए सशक्त बनाकर दूरसंचार सुरक्षा को मज़बूत करती है। संचार साथी, उपयोगकर्ताओं को एक बटन क्लिक करके स्पैम और धोखाधड़ी वाले कॉल और संदेशों की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाकर, ट्राई के दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियमों (टीसीसीसीपीआर) के प्रवर्तन का भी समर्थन करता है।

साइबर अपराध "कोई भी गैरकानूनी कार्य है जिसमें कंप्यूटर, संचार उपकरण या कंप्यूटर नेटवर्क का उपयोग अपराध करने या अपराध को सुविधाजनक बनाने के लिए किया जाता है"।

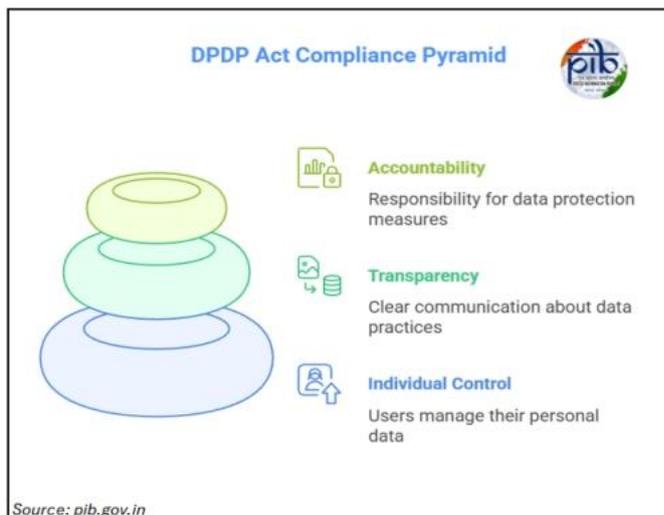
उपयोगकर्ता सशक्तिकरण

संचार साथी पहल जनभागीदारी यानी शासन में लोगों की भागीदारी का उदाहरण है। साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने में उपयोगकर्ता रिपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दूरसंचार विभाग इन रिपोर्टों पर लगातार तेज़ी से कार्रवाई करता रहता है, और पोर्टल पर स्थिति डैशबोर्ड यह सुनिश्चित करते हैं कि जनता पारदर्शिता।

गोपनीयता और सुरक्षा

यह ऐप उपयोगकर्ता के डेटा और गोपनीयता की सुरक्षा करते हुए दूरसंचार सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 (आईटी अधिनियम) का अनुपालन करता है, जो साइबर अपराध, ई-कॉमर्स, सुरक्षित ट्रांसमिशन और डेटा गोपनीयता को नियंत्रित करने वाला भारत का प्रमुख कानून है। यह कानूनी ढाँचा हैकिंग और डेटा चोरी जैसे अपराधों को परिभाषित और दंडित करता है।

संचार साथी उपयोगकर्ता की गोपनीयता को प्राथमिकता देता है और सेवाएँ प्रदान करने के लिए आवश्यक



न्यूनतम व्यक्तिगत जानकारी ही एकत्रित करता है। यह प्लेटफॉर्म व्यावसायिक विपणन के लिए प्रोफाइल नहीं बनाता है और न ही उपयोगकर्ता डेटा को किसी तीसरे पक्ष के साथ साझा करता है। डेटा साझाकरण केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों तक ही सीमित है, जहाँ कानूनी रूप से आवश्यक हो, ताकि अनधिकृत पहुँच और डेटा के दुरुपयोग से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्लेटफॉर्म की गोपनीयता प्रथाएँ डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 (डीपीडीपी अधिनियम) के अनुरूप हैं, जो व्यक्तिगत नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देता है। संचार साथी डेटा संग्रह को वैध उद्देश्यों तक सीमित रखता है, डेटा कैप्चर को न्यूनतम करता है, और स्पष्ट सहमति तंत्र लागू करता है।

निष्कर्ष

संचार साथी ऐप भारत के बढ़ते दूरसंचार पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है। खोए हुए उपकरणों को ब्लॉक करने, धोखाधड़ी की सूचना देने, मोबाइल कनेक्शन सत्यापित करने और उपयोगकर्ता की गोपनीयता की सुरक्षा जैसी सेवाओं को एकीकृत करके, यह नागरिकों को अपनी डिजिटल पहचान को आसानी से सुरक्षित रखने में सक्षम बनाता है। इसकी व्यापक भाषा उपलब्धता, साइबर कानूनों के साथ संरेखण और मज़बूत गोपनीयता सुरक्षा उपाय इसे समावेशी और विश्वसनीय बनाते हैं। जैसे-जैसे इसे अपनाया जा रहा है, संचार साथी न केवल दूरसंचार धोखाधड़ी को कम कर रहा है; बल्कि यह डिजिटल विश्वास को मज़बूत कर रहा है और भारत के मोबाइल उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित, नागरिक-केंद्रित भविष्य का निर्माण कर रहा है।

पीके/केसी/एनकेएस/

संचार मंत्रालय

<https://sancharsaathi.gov.in/Home/index.jsp#about-container>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2116341>

<https://www.pib.gov.in/PressReleaseDetailm.aspx?PRID=2113857>

<https://www.ceir.gov.in/Home/index.jsp>

https://sansad.in/getFile/loksabhaquestions/annex/184/AS449_USLuaY.pdf?source=pqal

<https://www.pib.gov.in/PressReleaseframePage.aspx?PRID=2080641>

<https://sancharsaathi.gov.in/sfc/>

<https://sancharsaathi.gov.in/Home/app-privacy-policy.jsp>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2154606>

<https://www.pib.gov.in/PressReleaseframePage.aspx?PRID=1924552>

<https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2093732>

<https://www.pib.gov.in/PressReleaseframePage.aspx?PRID=1924552>

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

<https://www.data.gov.in/resource/year-wise-number-incidents-digital-arrest-scams>

<https://csc.gov.in/digitalIndia>

<https://services.india.gov.in/service/detail/know-the-number>

गृह मंत्रालय

<https://cybercrime.gov.in/Webform/CrimeCatDes.aspx>

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

https://www.cdota.in/cdotweb/web/product_page

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

<https://www.newsonair.gov.in/sanchar-mobile-app-in-hindi-21-regional-languages-to-reach->

[diverse-regions](#)

पीके/केसी/एनएस

